

CHAPTER-VI

MEMBERS BLOSSOM

(DISCLAIMER: AIACE neither takes responsibility of Originality and veracity of contributions nor subscribe to the theme and views of the contributors)



R. A. Manjunatha Prasad

Retd. Finance Manager, WCL

M-535

सुभाषितानि

पापान् निवारयति योजयते हिताय गुह्यानि गूहति गुणान् प्रकटीकरोति |

आपद्रुतम् च न जहाति ददाति काले सन्मित्रलक्षणमिदम् प्रवदन्ति सन्तः ||

They will help you overcome bad qualities and inspire you to take the right path; they will keep your secrets but advertise your good qualities; they will not desert you when you're in trouble and give of themselves in your time of need – such is the nature of good friends say the wise.

छायामन्यस्य कुर्वन्ति स्वयं तिष्ठन्ति चातपे |

फलान्यपि परार्थाय वृक्षाः सत्पुरुषा इव ||

The trees make shade for others, themselves standing in Sun. (Their) fruits are also for others. (Hence) the trees are like a 'satpurusha' (noble person).

अन्तस्तिमिरनाशाय शब्दबोधो निरर्थकः ।
न नश्यति तमो नाम कृतया दीपवार्तया ॥

ऋग्वेद

Mere oral advice is not effective in removing darkness (ignorance or loss of hope) of mind. Actual action is necessary. Just saying the word "lamp" cannot remove darkness.

आरोप्यते शिला शैले यथा यत्नेन भूयसा ।
निपात्यते सुखेनाधस्तथात्मा गुणदोषयोः॥

Hauling a rock to the top of the hill is incredibly difficult. But pushing it down is very easy. Similarly, one rises with good qualities but falls quickly due to a single misdeed. AIACE is built on the hard work of its members. We appeal to all our members to maintain the good quality.

विद्या मित्रं प्रवासेषु भार्या मित्रं गृहेषु च ।
व्याधितस्यौषधं मित्रं धर्माः मित्रं मृतस्य च ॥

Knowledge is (your) friend in the journey, wife is the friend at home, medicine is friend in illness and dharma is the friend after death.

अस्थिरं जीवितं लोके अस्थिरे धनयौवने ।
अस्थिराः पुत्रदाराश्च धर्मकीर्तिद्वयं स्थिरम् ॥

In this world, the life is uncertain, wealth and youthfulness also do not last long (they are unstable). Even son and wife are unstable. Dharma and fame are the two things that last long (are stable). Perform your Dharma and gain kirti to be remembered for long.



नमिता सेनगुप्ता
पत्नी, स्व. के आर सेनगुप्ता
सदस्य संख्या-A-20109

जय भारत जय भारत देश महान
शत् पुरुषों की पुण्य भूमि की सदा रहेगी शान
गुलामी की जंजीरों से देकर मुक्ति
वीर सपूतों ने प्राणों को दिया बलिदान

सत्य अहिंसा का बना के हथियार
विश्व में गूंज उठा जय जयकार
था वो ऐतिहासिक पल हमारा
स्वाधीन भारत का हुआ सपना साकार

प्रांत-प्रांत में गुंजित हुआ देश राग
हर दिन दीपावली उत्सव फाग
पुनः गढ़ेगा स्वर्णिम भारत का इतिहास
जन गण मन का लेकर अनुराग

लहरा रहा है तिरंगा उन्मुक्त नभ में
अंकित शहीदों के नाम तीन रंग में
कंचनजंगा से ऊंचा तिरंगे की शान
संकल्प रहेगा हर भारतीयों के हृदय में

हृदय में गूंजे वंदेमातरम जय गान
नित्य अमृत महोत्सव मनाए हिंदुस्तान
घर-घर लहरा रहा तिरंगा
वीर शहीदों के लहू का रखेंगे मान